जड़ों के लिए खोज
विशाखा, एक युवा दत्तक

मुझे हमेशा आश्चर्य होता था कि मेरे माता पिता कैसे दीखते होने.
गोद लेने की खबर एक बर्फ़ीले तूफ़ान के रूप में मेरे सामने आई. जब मेरे चचेरे भाई बहन एक दूसरे के समानता के बारे में बात करते थे मुझे लगा कि मेरे माँ बाप ने मुझे क्यों छोड़ दिया और इसने मेरे जन्म के माता-पिता की खोज शुरू की। इसके बाद मैं अजनबियों में अपने माता पिता का चेहरा खोजती , जो मेरे जैसे दीखते थे. लेकिन वे मुझे कहीं नहीं मिले. तब मैंने अपने माता-पिता को इसके बारे में जानने की इच्छा प्रकट की. उन्होंने मुझे बताया कि दस्तावेजों को खोजने की कानूनी उम्र 18 साल थी। मुझे अपने 18 वें जन्मदिन तक इंतजार करना पड़ा। मैंने फैसला किया कि जिस दिन मैंने 18 साल की हो, मैं अनाथालय में जाऊँगी और मेरे गोद लेने से समबन्धित कानूनी दस्तावेज ले लूँगी. अब बस एक वर्ष, तय करना था क्योंकि मैं तब 17 बरस की थी. यह मेरे जीवन में सबसे लंबा वर्ष था.

मैं यह जानने के लिए इंतजार नहीं कर सकती थी कि मैं कहां से आयी थी, लेकिन वास्तव में मेरे दस्तावेजों को देखने के बाद मैं डर गयी थी. मैंने देखा कि मेरे जन्म के माता का पता अवरुद्ध कर दिया गया था! हाँ जन्मदिन के उपहार के रूप में मिली मेरी माँ की पहली तस्वीर. यही मेरे पास अब एक खजाने की तरह है.

अगले दिन मैंने अपने माता-पिता से कहा कि मैं अपनी जननी को ढूंढना चाहती हूं। मुझे नहीं पता था कि उसे समझने का प्रयास करने के लिए यह समझदार होगा या नहीं। क्या वह मुझे याद रखेगी, वह बच्चा जिसे उसने दिया था? क्या उसने अपने अतीत को पीछे रख दिया?

मुझे कुछ कानूनी संकेत मिले, मैंने उसे ढूंढने की कोशिश की मैंने कुछ टेलीफोन कॉल किए। मेरे माता-पिता और मेरे सबसे अच्छे दोस्त के परिवार ने मुझे हर कदम पर समर्थन दिया लेकिन यह व्यर्थ था। मुझे लगा कि मुझे अपनी खोज का अंत करना होगा।

मैं आभारी हूं कि किसी ने मुझे कहीं जन्म दिया लेकिन मैं अपने परिवार की आभारी हूं जिन्होंने मुझे दिखाया कि ज़िन्दगी कैसे जीना चाहिए. उन्होंने मेरे जीवन के हर पल में मुझे बहुत प्यार और खुशी दी

मैं बीस साल ककी हूँ . मेरे जन्म की मां की पहचान के बारे में अभी भी थोड़ी जिज्ञासा है. शायद यह समय के साथ धीरे धीरे कम जो जाये.